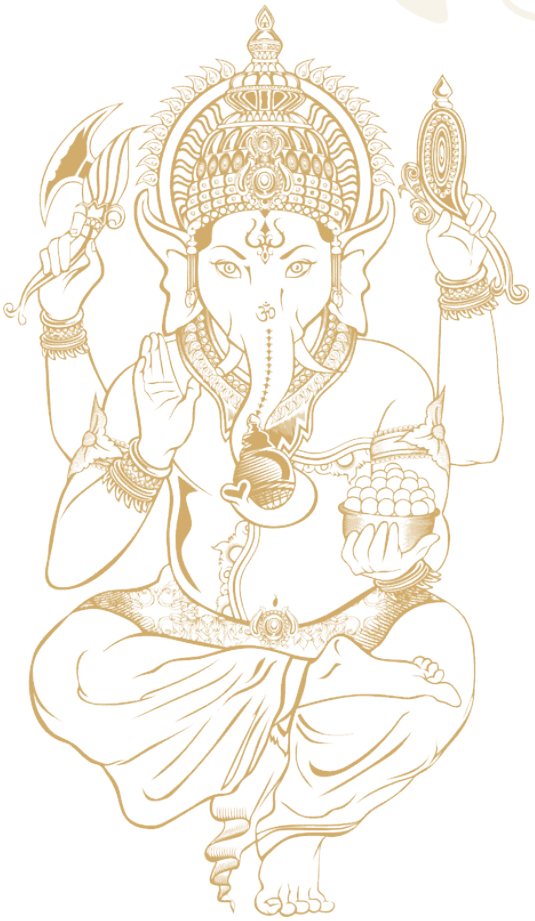

28 Aug 2001

12:45 AM

Pauri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121351905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/08/2001**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:45:00 घंटे**
इष्ट	47:20:32 घटी
स्थान	**Pauri**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:08:00 उत्तर
रेखांश	78:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:30:12 घंटे
वेलान्तर	-00:01:33 घंटे
साम्पातिक काल	22:54:33 घंटे
सूर्योदय	05:48:47 घंटे
सूर्यास्त	18:43:18 घंटे
दिनमान	12:54:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:41:56 सिंह
लग्न के अंश	04:28:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:28:33	333:41:07	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	10:41:56	00:57:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	03:40:35	12:19:00	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	00:29:19	00:25:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध			सिंह	29:39:49	01:34:35	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	15:21:34	00:10:22	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	06:52:10	01:11:20	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:16:40	00:03:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु			मिथु	10:46:39	00:00:33	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	10:46:39	00:00:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:30:08	00:02:19	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:46:25	00:01:23	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:40:07	00:00:08	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	18:22:27	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

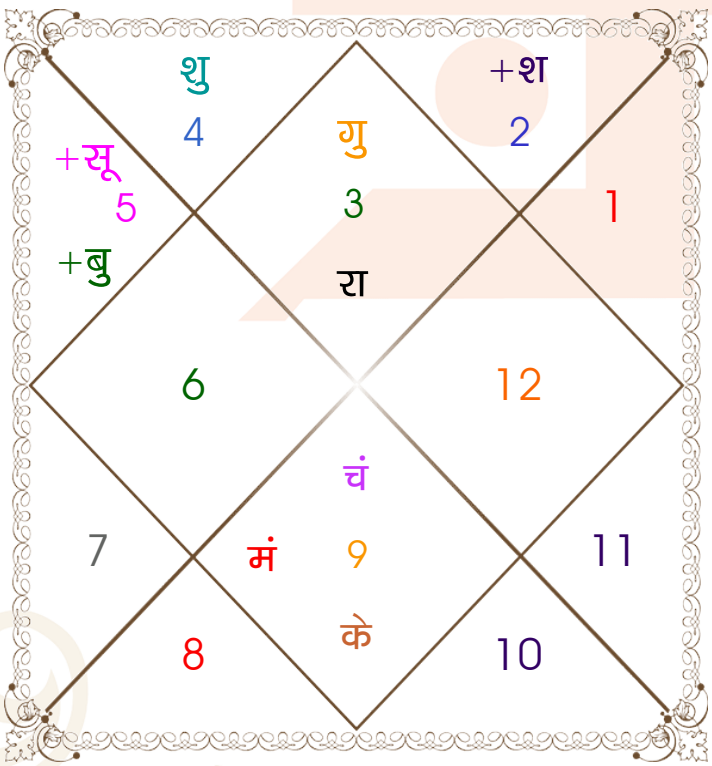

चन्द्र कुंडली

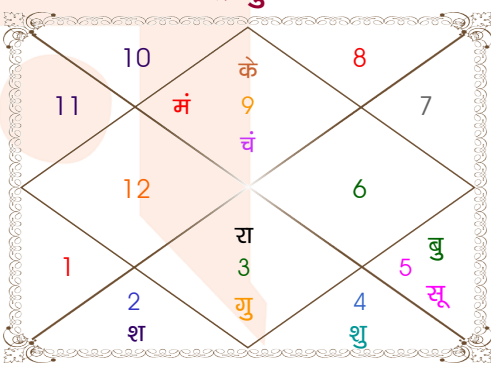

नवमांश कुंडली

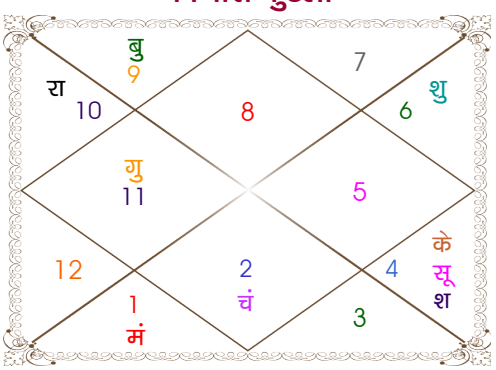

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 0 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/08/2001		22/09/2006		22/09/2026		22/09/2032		22/09/2042	
22/09/2006		22/09/2026		22/09/2032		22/09/2042		22/09/2049	
	00/00/0000	शुक्र	22/01/2010	सूर्य	10/01/2027	चंद्र	23/07/2033	मंगल	18/02/2043
	00/00/0000	सूर्य	22/01/2011	चंद्र	11/07/2027	मंगल	21/02/2034	राहु	08/03/2044
	28/08/2001	चंद्र	22/09/2012	मंगल	16/11/2027	राहु	23/08/2035	गुरु	12/02/2045
चंद्र	27/03/2002	मंगल	22/11/2013	राहु	10/10/2028	गुरु	22/12/2036	शनि	24/03/2046
मंगल	23/08/2002	राहु	22/11/2016	गुरु	29/07/2029	शनि	23/07/2038	बुध	21/03/2047
राहु	10/09/2003	गुरु	24/07/2019	शनि	11/07/2030	बुध	23/12/2039	केतु	17/08/2047
गुरु	16/08/2004	शनि	22/09/2022	बुध	18/05/2031	केतु	23/07/2040	शुक्र	16/10/2048
शनि	25/09/2005	बुध	23/07/2025	केतु	23/09/2031	शुक्र	24/03/2042	सूर्य	21/02/2049
बुध	22/09/2006	केतु	22/09/2026	शुक्र	22/09/2032	सूर्य	22/09/2042	चंद्र	22/09/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/09/2049		23/09/2067		23/09/2083		23/09/2102		24/09/2119	
23/09/2067		23/09/2083		23/09/2102		24/09/2119		00/00/0000	
राहु	04/06/2052	गुरु	10/11/2069	शनि	25/09/2086	बुध	19/02/2105	केतु	20/02/2120
गुरु	29/10/2054	शनि	23/05/2072	बुध	04/06/2089	केतु	16/02/2106	शुक्र	21/04/2121
शनि	04/09/2057	बुध	29/08/2074	केतु	14/07/2090	शुक्र	17/12/2108	सूर्य	27/08/2121
बुध	23/03/2060	केतु	05/08/2075	शुक्र	13/09/2093	सूर्य	23/10/2109	चंद्र	29/08/2121
केतु	11/04/2061	शुक्र	05/04/2078	सूर्य	26/08/2094	चंद्र	25/03/2111		00/00/0000
शुक्र	10/04/2064	सूर्य	22/01/2079	चंद्र	26/03/2096	मंगल	21/03/2112		00/00/0000
सूर्य	05/03/2065	चंद्र	23/05/2080	मंगल	05/05/2097	राहु	09/10/2114		00/00/0000
चंद्र	04/09/2066	मंगल	29/04/2081	राहु	12/03/2100	गुरु	13/01/2117		00/00/0000
मंगल	23/09/2067	राहु	23/09/2083	गुरु	23/09/2102	शनि	24/09/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगे तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगे।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबले लंबे एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखतें हो। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपनी पत्नी के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेते हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देते हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रोबिले कार्य कलाप से जीवन संगिनी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेते हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाते हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देते हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाते हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगे। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीला तथा अपव्ययकारी हो जाते हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करते हैं। आप असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकते हैं।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं। अतः आप ऐसी सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा आप सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिकतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली कि विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।